

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की प्रोफेसर निदा जमील खान को 'एपिजेनेटिक थेरेप्यूटिक्स फॉर ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर' पर शोध के लिए आईसीएमआर से मिला प्रतिष्ठित अनुदान

नई दिल्ली, 12 नवंबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) को यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बायोसाइंसेज विभाग की प्रोफेसर निदा जमील खान को लगभग ₹53 लाख का प्रतिष्ठित शोध अनुदान प्रदान किया है। यह अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अनुदान कैंसर जीव विज्ञान और मोलेक्युलर जेनेटिक्स के क्षेत्र में प्रोफेसर खान के उत्कृष्ट योगदान को रेखांकित करता है और ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर (टीएनबीसी) के लिए एपिजेनेटिक थेरेप्यूटिक्स के क्षेत्र में अभूतपूर्व शोध को सहायता प्रदान करेगा।

भारत में जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए सर्वोच्च सम्मानों में से एक, आईसीएमआर अनुदान, प्रो. खान और उनकी टीम को टीएनबीसी प्रगति में शामिल प्रमुख एपिजेनेटिक बायोमार्करों को लक्षित करने वाले बीईटी अवरोधकों को डिज़ाइन, विकसित और मान्य करने में सक्षम बनाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य इन-सिलिको ड्रग डिज़ाइन, इन विट्रो असेस और प्रीक्लिनिकल स्टडीज़ के माध्यम से नए चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान करना है, जो ब्रेस्ट कैंसर के सबसे आक्रामक और चिकित्सीय रूप से चुनौतीपूर्ण उपप्रकारों में से एक के लिए नई और प्रभावी उपचार रणनीतियों की खोज में संभावित रूप से योगदान देगा।

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, प्रो. निदा जमील खान ने कहा- "आईसीएमआर से यह अनुदान प्राप्त करके मैं अत्यंत गौरवान्वित हूँ। यह ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर के लिए कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि को सार्थक चिकित्सीय हस्तक्षेपों में बदलने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। मैं अपनी शोध टीम, अपने संस्थान जेएमआई और आईसीएमआर के समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभारी हूँ।"

यह अनुदान दो वर्षों के लिए वित्त पोषण प्रदान करेगा, जिससे उन्नत प्रयोग, अग्रणी विशेषज्ञों के साथ सहयोग और नवीन चिकित्सीय दृष्टिकोणों के विकास में सुविधा होगी। यह पहल आईसीएमआर के अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देने और भारत के सामने मौजूद स्वास्थ्य सेवा संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के मिशन के अनुरूप है।

प्रो. निदा जमील खान एक प्रसिद्ध कैंसर जीवविज्ञानी हैं, जिन्हें कैंसर जीव विज्ञान, मोलेक्युलर जेनेटिक्स और सैल बायोलॉजी में 16 वर्षों से अधिक का शिक्षण और अनुसंधान का अनुभव है। उनका शोध ब्रेस्ट कैंसर, एपिजेनेटिक बायोमार्कर खोज, ड्रग टारगेट आइडेंटिफिकेशन एंड मॉलेक्युलर पैथवे एलूसिडेशन पर केंद्रित है। प्रो. खान ने कई पीएचडी शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया है और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके कई शोध पत्र प्रकाशित हैं।

उन्होंने एम्स (नई दिल्ली), सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी, हैदराबाद) और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल, यूके)- जैव चिकित्सा विज्ञान में वैश्विक उत्कृष्टता के संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उनकी शैक्षणिक यात्रा और व्यापक शोध अनुभव वैज्ञानिक नवाचार और अनुवादात्मक अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए जामिया की प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हैं।